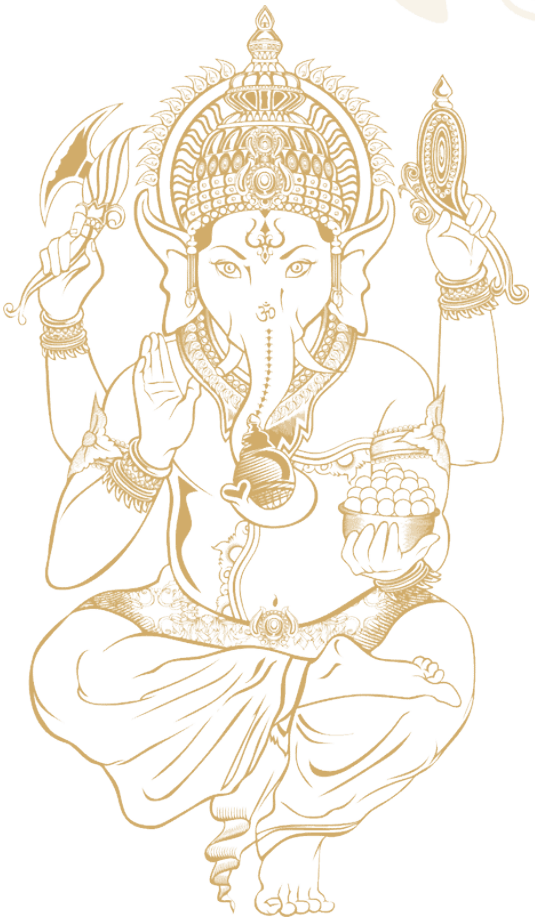

????? ???????

28 Jan 1976

09:25 AM

Aligarh

Model: web-freekundliweb

Order No: 121867703

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**28/01/1976**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**09:25:00 घंटे**
इष्ट	05:44:08 घटी
स्थान	**Aligarh**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	27:54:00 उत्तर
रेखांश	78:04:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:17:44 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	09:07:16 घंटे
वेलान्तर	-00:12:51 घंटे
साम्पातिक काल	17:33:30 घंटे
सूर्योदय	07:07:20 घंटे
सूर्यास्त	17:53:58 घंटे
दिनमान	10:46:38 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	13:49:32 मकर
लग्न के अंश	27:07:33 कुम्भ

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कुम्भ - शनि
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**मूल - 3**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	व्याघात
करण	तैतिल
गण	राक्षस
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	भा-भारत
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कुंभ	27:07:33	507:09:24	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	---
सूर्य			मक	13:49:32	01:00:59	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	राहु	शत्रु राशि
चंद्र			धनु	06:45:33	13:15:14	मूल	3	19	गुरु	केतु	राहु	सम राशि
मंगल			वृष	21:31:48	00:05:17	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	शुक्र	सम राशि
बुध	व	अ	मक	03:00:26	00:57:01	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	शनि	सम राशि
गुरु			मीन	25:02:03	00:08:48	रेवती	3	27	गुरु	बुध	राहु	स्वराशि
शुक्र			धनु	08:48:20	01:13:24	मूल	3	19	गुरु	केतु	गुरु	सम राशि
शनि	व		कर्क	05:21:28	00:04:52	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	शनि	शत्रु राशि
राहु	व		तुला	25:01:12	00:07:10	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	मित्र राशि
केतु	व		मेष	25:01:12	00:07:10	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	बुध	मित्र राशि
हर्ष			तुला	13:31:45	00:00:46	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	बुध	---
नेप			वृश्चि	19:49:16	00:01:31	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	शुक्र	---
प्लूटो	व		कन्या	18:07:46	00:00:28	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	बुध	---
दशम भाव			धनु	00:23:35	--	मूल	--	19	गुरु	केतु	केतु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:31:37

लग्न-चलित

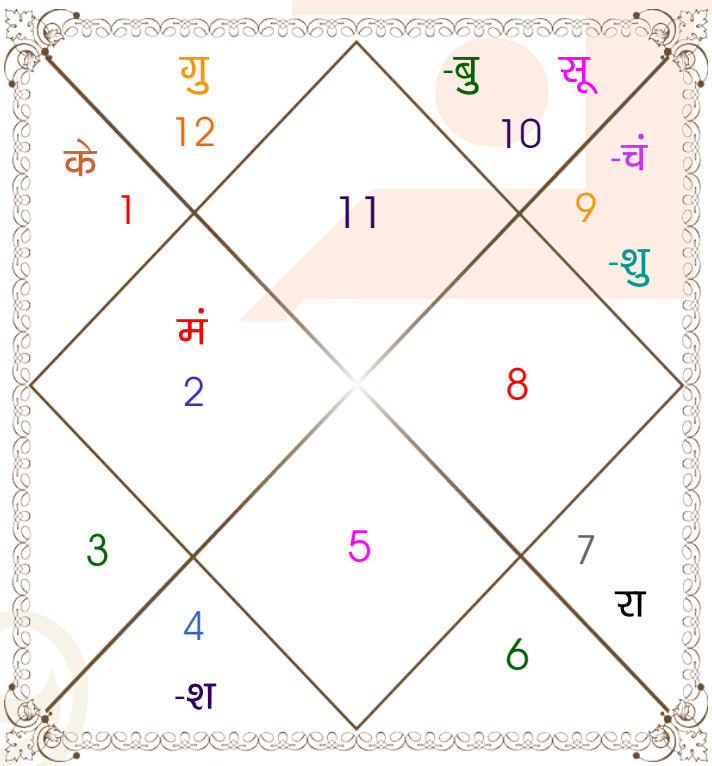

चन्द्र कुंडली

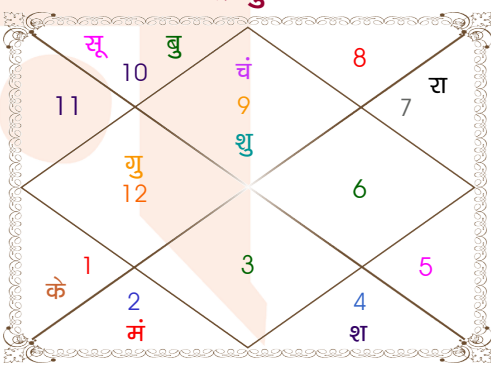

नवमांश कुंडली

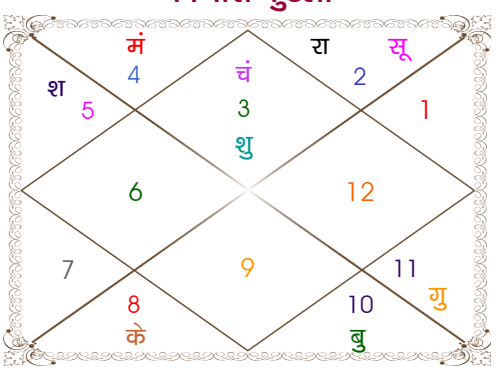

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 3 वर्ष 5 मास 12 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
28/01/1976		12/07/1979		12/07/1999		11/07/2005		12/07/2015	
12/07/1979		12/07/1999		11/07/2005		12/07/2015		11/07/2022	
	00/00/0000	शुक्र	10/11/1982	सूर्य	29/10/1999	चंद्र	11/05/2006	मंगल	08/12/2015
	00/00/0000	सूर्य	10/11/1983	चंद्र	29/04/2000	मंगल	10/12/2006	राहु	25/12/2016
	00/00/0000	चंद्र	11/07/1985	मंगल	04/09/2000	राहु	10/06/2008	गुरु	01/12/2017
	00/00/0000	मंगल	10/09/1986	राहु	29/07/2001	गुरु	10/10/2009	शनि	10/01/2019
	28/01/1976	राहु	10/09/1989	गुरु	18/05/2002	शनि	12/05/2011	बुध	07/01/2020
राहु	29/06/1976	गुरु	11/05/1992	शनि	29/04/2003	बुध	10/10/2012	केतु	04/06/2020
गुरु	05/06/1977	शनि	12/07/1995	बुध	05/03/2004	केतु	11/05/2013	शुक्र	04/08/2021
शनि	14/07/1978	बुध	11/05/1998	केतु	11/07/2004	शुक्र	10/01/2015	सूर्य	10/12/2021
बुध	12/07/1979	केतु	12/07/1999	शुक्र	11/07/2005	सूर्य	12/07/2015	चंद्र	11/07/2022

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
11/07/2022		11/07/2040		11/07/2056		12/07/2075		11/07/2092	
11/07/2040		11/07/2056		12/07/2075		11/07/2092		00/00/0000	
राहु	23/03/2025	गुरु	29/08/2042	शनि	15/07/2059	बुध	07/12/2077	केतु	07/12/2092
गुरु	17/08/2027	शनि	11/03/2045	बुध	24/03/2062	केतु	04/12/2078	शुक्र	06/02/2094
शनि	23/06/2030	बुध	17/06/2047	केतु	03/05/2063	शुक्र	04/10/2081	सूर्य	14/06/2094
बुध	09/01/2033	केतु	23/05/2048	शुक्र	02/07/2066	सूर्य	11/08/2082	चंद्र	13/01/2095
केतु	28/01/2034	शुक्र	22/01/2051	सूर्य	14/06/2067	चंद्र	10/01/2084	मंगल	11/06/2095
शुक्र	28/01/2037	सूर्य	10/11/2051	चंद्र	12/01/2069	मंगल	06/01/2085	राहु	28/01/2096
सूर्य	22/12/2037	चंद्र	11/03/2053	मंगल	21/02/2070	राहु	27/07/2087		00/00/0000
चंद्र	23/06/2039	मंगल	15/02/2054	राहु	28/12/2072	गुरु	01/11/2089		00/00/0000
मंगल	11/07/2040	राहु	11/07/2056	गुरु	12/07/2075	शनि	11/07/2092		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 3 वर्ष 5 मा 17 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा भाद्रपद नक्षत्र के तृतीय चरण में कुंभ लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन का नवमांश एवं तुला राशि का द्रेष्काण भी उदित हुआ था। इस लग्नादिक समन्वय स्थिति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आपके जीवन का प्रारूप चमत्कृत नियमावली में अंकित है। आपका जीवन गप-शप एवं सुखद वातावरण में व्यतीत होगा तथा आप पर्याप्त धन-दौलत से युक्त संपन्न एवं आपका घर-परिवार प्रसन्न रहेंगे।

आप धनोपार्जन के कलाकार एवं मास्टर हैं। आप दूसरे के साथ उदार भावनाओं से युक्त सहायता करने वाले हैं। आप शीघ्रता पूर्वक पर्याप्त मात्रा में धनोपार्जन कर उसे सुरक्षित कर सकेंगे। आप निश्चित रूप से आलसी नहीं है। आप महत्वपूर्ण विषयों का गहनतापूर्वक अध्ययन कर उस कार्यक्रम को विकसित करने के प्रति रूचिवान रहेंगे। आप धर्म दर्शन शास्त्र का सदैव अध्ययन कर सकेंगे। आपके लिए कार्य-व्यवसायों में अनुकूल धार्मिक एवं दार्शनिक कार्य, ज्योतिषीय कार्य, भाषा ज्ञान का कार्य शैक्षणिक कार्य एवं राजनीति के कार्य लाभदायक पथ हैं। आप इन चिह्नित कार्य-व्यवसायों में से कोई भी कार्य व्यवसायों का चयन कर सकते हैं।

आप वास्तव में उच्च स्तरीय विषयों पर चिंतन करने से दिलचस्पी रखते हो। आप मृत्यु के पश्चात जीवन की क्या गति होती है। इसके संबंध में ज्ञान प्राप्त करना चाहते हो। आप यदा-कदा ऐसा सोचते है कि सभी कुछ को त्याग कर जीवन दर्शन का ध्यान साधना करें।

अन्यथा आप अपने कार्य व्यवसाय के संबंध में अत्यंत व्यस्त रहने वाले व्यवस्थित प्राणी हैं। आप भीड़-भाड़ से बच कर सिर के बल सर्वप्रथम प्रमुख विषयों का अध्ययन कर अपनी कार्य योजना को विकसित करने की कार्य शैली पर विचार करते हो। दूसरी बात यह है कि आप अपने पक्ष में उत्कृष्ट पहुंच प्राप्त करने के लिए सामर्थ्यवान है। आप विधि पूर्वक किसी भी कार्य को संपन्न करने हेतु सक्षम प्राणी हैं।

परंतु आपके सभी समर्पित कार्य विश्वसनीयता के माध्यम से संचालित होता है। बल्कि आप धनोपार्जन हेतु कोई गलत ढंग मार्ग या पहुंच नहीं चाहते। आप दूसरों के माध्यम से उपर्युक्त विषयों के संबंध में (खुलम खुल्ला) प्रत्यक्ष रूप से अव्यवस्थित मूल्यांकन करना नहीं चाहते। आपसे संबंधित कुछ मित्र विजय श्री प्राप्त करना चाहते हैं। परंतु आपको सतर्क रहना चाहिए। आप अत्यंत सावधान रह कर, अपने निकट संबंधियों का ध्यान रखें, क्योंकि कुछ लोग आपकी योजना के प्रति धोखा-धड़ी करके आपकी सफलता को अवरूद्ध कर स्वयं आगे निकल जाएं।

जहां तक आपके समक्ष स्वास्थ्य से संबंधित समस्याएं बिल्कुल ठीक है। परंतु आयु की वृद्धि के साथ-साथ कतिपय रोगादि सामान्य कुप्रभाव डाल सकते हैं, जिसके आधार पर आपको अधिक चिंताग्रस्त बना सकता है। अतः आप रक्तचाप, मिरगी, जॉनडिस, ट्यूमर आदि रोगों के प्रति समय-समय पर अपने चिकित्सक से विचार-विमर्श करना उत्तम होगा। आपके उत्तम घरेलू वातावरण के प्रभाव से भी आपका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। आप अपने गृहस्थाश्रम के

संबंध में भाग्यशाली हैं, क्योंकि आपके जीवन में बुद्धिमती पत्नी एवं समझदार पुत्र आपके आनंददायक जीवन में सहायक होंगे।

ऐसा संदेह है कि आप प्रतिष्ठित व्यक्ति हैं अथवा नहीं? आप एक अत्यंत समृद्धिशाली व्यक्ति के समान धनी हो जाओगे। परंतु कुछ समय के बाद आप आवश्यकता के अनुरूप अपने को बना लेंगे। आप में एक परिश्रमी कार्य कर्त्ता के गुण विद्यमान हैं तथा आप धैर्यपूर्वक किसी कार्य के परिणाम की प्रतीक्षा करते हैं। सब कुछ के बाद आप धन को ही प्राथमिकता नहीं देते तथा निरंतर इसके पीछे नहीं पड़े रहते हैं। परंतु मात्र सांसारिक आवश्यकता हेतु आवश्यक है।

आप सदैव अंक 2, 3, 7 एवं 9 अंक पर भरोसा रख सकते हैं तथा इस अंक की प्रधानता देते हुए इसका व्यवहार अपने जीवन में कर सकते है क्योंकि ये अंक आपके लिए हितकर है। इसके अतिरिक्त अंक 1, 4, 5 एवं 8 अंक आपके लिए अव्यवहारणीय है।

आपके लिए रंगों में अनुकूल रंग सफेद, लाल, पीला एवं क्रीम रंग है। परंतु नारंगी, नीला एवं हरा रंग आपके लिए प्रतिकूल एवं अव्यवहारणीय है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में अनुकूल दिन बुधवार, शनिवार एवं शुक्रवार का दिन लाभदायक है। परंतु शेष सोमवार, मंगलवार एवं रविवार, का दिन अव्यवहारणीय है।